केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 285 गुरूवार 9 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

महाराणा प्रताप जयन्ती पर आयोजन 9 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप के 484 वीं जयन्ती अवसर पर 9 मई गुरूवार को दिन में 9.30 बजे अतिथियों द्वारा महाराणा प्रताप चौक सिविल लाइन्स पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा।

यह जानकारी देते हुये कार्यक्रम संयोजक महेश चन्द्र सिंह ने बताया कि आदर्श आचार संहिता को देखते हुये कार्यक्रम का स्वरूप संक्षिप्त रखा गया है। राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण और संक्षिप्त संगोष्ठी के द्वारा उनके योगदान पर चर्चा की जायेगी।

बुजुंग का शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के रखौना पुलिस चौकी के अन्तर्गत डड़वा लगुनी गाँव के पास कुआनो नदी के किनारे बुधवार को एक बुजुर्ग का शव मिला।सूचना पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू की।पूछने पर लालगंज थानाध्यक्ष सुनील कुमार गौड़ ने बताया कि बुजुर्ग की उम्र लगभग 70 वर्ष की है शव के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है

सैम पित्रोदा ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली (आभा)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नस्लवादी टिप्पणी करने के बाद से वह विपक्ष के निशाने पर थे। कांग्रेस पार्टी ने भी उनके बयान से किनारा कर लिया था। पित्रोदा के बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि पार्टी नेतृत्व ने पित्रोदा के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, ष्सैम पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।ष

पिछले दिनों 'द स्टेट्समैन' के साथ एक साक्षात्कार में सैम पित्रोदा ने देश की विविधता का एक लोकतांत्रिक उदाहरण पेश करते हुए कहा था, "हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को एक साथ रख सकते हैं दृ जहां पूर्व के लोग चीनी जैसे दिखते हैं, पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग शायद गोरे जैसे दिखते हैं और दक्षिण के लोग अफ्रीकी जैसे दिखते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम सभी भाई–बहन हैं।"

पित्रोदा के बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इसके बाद पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने उनके बयान से पार्टी को अलग करते हुए सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा था, "सैम पित्रोदा ने पॉडकास्ट में भारत की विविधता को दर्शाने के लिए जो उदाहरण दिए हैं, वे सबसे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उदाहरणों से खुद को पूरी तरह से अलग करती है।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने भारत की विविधता को चित्रित करने संबंधी सैम पित्रोदा की टिप्पणियों को लेकर बुधवार को विपक्षी दल पर निशाना साधा। मोदी ने इन टिप्पणियों को ''नस्ली'' बताते हुए कहा कि लोग त्वचा के रंग के आधार पर देशवासियों का अपमान करने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पीएम मोदी ने राहुल पर लगाया अम्बानी, अडानी से काला धन लेने का आरोप

करीमनगर (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तेलंगाना के करीमनगर में पहली बार अडाणी–अंबानी का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा– पिछले 5 सालों से कांग्रेस के शहजादे दिन–रात एक ही माला जपते थे। 5 उद्योगपति, अंबानी और अडाणी, लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है, इन्होंने अंबानी–अडाणी को गाली देना बंद कर दिया है...क्यों?

उन्होने ने कहा– मैं कांग्रेस के शहजादे से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने अडाणी और अंबानी से कितना माल उठाया है? काला धन के बोरे भर के रुपए मारे हैं? कांग्रेस पार्टी को चुनाव के लिए उन उद्योगपतियों से कितना माल मिला? क्या टेंपो भरकर माल पहुंचा है?

पीएम के बयान पर राहुल गांधी ने शाम को एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी, अडानी–अंबानी आपको 'टैंपो' में भरकर पैसे देते हैं क्या? ये आपका पर्सनल एक्सपीरियंस है? राहुल ने कहा कि मोदी जी एक काम कीजिए– सीबीआई, ईडी को इनके पास भेजिए। पूरी जांच कराइए, इन्क्वायरी कराइए। घबराइए मत।

राहुल ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा– भाजपा के भ्रष्टाचार के टेम्पो का 'ड्राइवर' और 'खलासी' कौन है, देश जानता है।

पीएम के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा– वक्त बदल रहा है। दोस्त–दोस्त ना रहा। थर्ड फेज की वोटिंग के बाद आज प्रधानमंत्री जी अपने मित्रों पर ही हमलावर हो गए हैं। इससे पता चल रहा है कि मोदी जी की कुर्सी डगमगा रही है। यही परिणाम के असली रुझान हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा बोले– तीन चरणों के चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी इतने बौखला गए हैं कि अडाणी–अंबानी के खिलाफ बोलने लगे। च्ड मोदी ने कहा– राहुल गांधी जी अडाणी–अंबानी का नाम नहीं लेते। सच्चाई ये है कि 3 अप्रैल से अब तक राहुल गांधी जी 103 बार अडाणी और 30 बार अंबानी का नाम ले चुके हैं।

कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया पर राहुल की संसद की वो तस्वीर शेयर की जिसमें वो मोदी और अडाणी का फोटो दिखा रहे हैं। कांग्रेस ने लिखा– सवाल ऐसे करो कि भ्रष्टाचारी भी सफाई देने लगे। सवाल अब भी वही है– मोदी का अडाणी से रिश्ता क्या है?प्रियंका ने पूछा– मोदी बताएं, मित्रों के 16 लाख करोड़ क्यों माफ किए।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिये प्रत्याशियों से मांगा सहयोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने सभी प्रत्याशियों एवं राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रत्याशियों के साथ बैठक में उन्होने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशो का अनुपालन सुनिश्चित करें तथा किसी प्रकार की शिकायत पहले स्थानीय प्रशासन तहसील एवं थाना को उपलब्ध करायें। उन्होने बताया कि जनपद में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक तथा पुलिस प्रेक्षक आ गये है, जो सर्किट हाउस में ठहरे है। इनसे मिलकर के भी शिकायत या समस्या दी जा सकती है।

उन्होने कहा कि कोई भी प्रत्याशी जाति, धर्म, भाषा के मतभेद बढाने वाले गतिविधियों में शामिल नही होंगा और ना ही इस आधार पर मत के लिए अपील करेंगा। दलों की आलोचना इसकी नीति एवं कार्यक्रम के आधार पर की जायेंगी। निजी जीवन पर टिप्पणी नही की जायेंगी। धार्मिक स्थलों को प्रचार के लिए प्रयोग नही किया जायेंगा। बिना स्वामी के अनुमति के भूमि, भवन, दीवार पर ना तो नारा लिखा जायेंगा और ना ही झण्डा/बैनर लगायेंगा। एक दल के अनुयायी दूसरे दल की रैली, सभा व जुलूस में बाधा खड़ी नही करेगें। सभा, जुलूस, रैली तथा लाउण्डस्पीकर के लिए अनुमति अवश्य ली जायेंगी।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित तीनों प्रेक्षक से सभी प्रत्याशियो का परिचय कराया।

एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने बताया कि सामान्य प्रेक्षक का मोबाइल नम्बर–9335472502 एवं टेलीफोन नं0 05542–297832 है। पुलिस प्रेक्षक का मोबाइल नम्बर–7839862829 एवं टेलीफोन नं0 05542–297834 है। व्यय प्रेक्षक का मोबाइल नम्बर 6392589563 तथा टेलीफोन नं० 05542–297844 है। जनप्रतिनिधि सामान्य प्रेक्षक से प्रातः 9 से 10 बजे तक, पुलिस प्रेक्षक से सायं 5 से 7 बजे तक तथा व्यय प्रेक्षक से अपराह्न 4 से 6 बजे तक सर्किट हाउस सभागार में भेंट कर सकते है। बैठक में पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी विनोद कुमार पांडेय, शत्रुघ्न पाठक, आशुतोष तिवारी, सत्येंद्र सिंह उपस्थित रहें।

वृद्ध जनों के साथ केक काटकर मनाया अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवसः शिविर में किया रक्तदान, योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस के अवसर पर बुधवार को वृद्धाश्रम बनकटा में वृद्ध जनों में पोषक औषधि, मौसमी फल आदि वितरित किया गया। जिलाधिकारी एवं रेडक्रास अध्यक्ष अन्द्रा वामसी के दिशा निर्देश के अनुरूप वृद्ध जनों के साथ केक काटकर खुशियों को साझा करते हुये कहा कि विश्व शांति, सेवा के क्षेत्र में रेड क्रास के महत्व पर चर्चा की गई। इस परम्परा को और समृद्ध बनाये जाने पर रेडक्रास सदस्यों ने जोर दिया। इस अवसर पर बादशाह थियेटर स्थित रेडक्रास मुख्यालय पर आयोजित रक्तदान शिविर में अनेक लोगों रक्तदान किया। ओपेक चिकित्सालय के चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों ने शिविर में योगदान दिया।

रेडक्रास के सचिव कुलवेन्द्र सिंह मजहबी ने बताया कि रेड क्रास द्वारा कोरोना संकट में भी विशेष सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया गया। रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर के द्वारा लोगों की निरन्तर सेवा की जाती है। बताया कि जीन हेनरी ड्यूनेंट स्विस मानवतावादी, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता थे, हेनरी ड्यूनेंट का जन्म 8 मई 1828 को स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में हुआ था, उन्हें 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। उन्होंने 1863 में इंटरनेशनल ऑफ द रेड क्रॉस की स्थापना की थी। रेडक्रास के वरिष्ठ सदस्य डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि वृद्धजनों की सेवा सबसे बडा धर्म है।

रक्तदान करने वालों में मुख्य रूप से आनन्द मिश्र, बलजीत सिंह, राहुल मोदी, सरदार दीपेन्द्र सिंह एडवोकेट,, प्रसन्न श्रीवास्तव, कुलदीप सिंह आदि शामिल रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. सलीम अहमद, कार्तिकेय पाल, राजेन्द्र सिंह 'रजावत, सन्तोष कुमार जायसवाल, शोएब रहमान, शिवानी पाल, रूद्र प्रताप पाल एडवाकेट, नरेश सडाना, प्रियेश पाल, गुरूचरन सिंह चावला, जेम्स, अमरजीत सिंह, रविन्द्र सिंह, विकास चौधरी, विनय मौर्या, काजी फरमान अहमद, प्रताप शंकर पाण्डेय, सुनील पटेल, आयुष सिंह, अखण्ड प्रताप जायसवाल, विष्णु पाल, कृष्णाराव, राकेश कुमार सैनी, आदर्श मिश्र, डा. स्वराज शर्मा, डा. अखिलेश मद्धेशिया, गोविन्द शुक्ल, अंजली शुक्ल, अभिषेक, भानु यादव, कमलेश, विकास, मदन, साक्षी आदि ने योगदान दिया।

इण्डिया गठबंधन के कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा पर बरसे कांग्रेसी

–देश की तकदीर तय करेगा लोकसभा का चुनाव– राम प्रसाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। हरैया तहसील मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय 'बबलू भइया' के संयोजन में इण्डिया गठबंधन की ओर से कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी रामप्रसाद चौधरी ने कहा 2024 का चुनाव देश की तकदीर तय करेगा। भाजपा ने किसानो, नौजवानों, महिलाओं, मजदूरों तथा व्यापारियों को धोखा दिया है।

2014 के चुनाव में भाजपा ने नारा दिया था, बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार। जनता इस नारे में फंस गई, भाजपा सत्ता में आ गई लेकिन इसके बाद नौजवान बेकार घूम रहा है, जीएसटी 18 से 28 प्रतिशत हो गई, महगाई चरम पर है, महिलाओं संग दुराचार के मामले रिकार्ड बना रहे हैं। मसलन भाजपा की एक भी गारण्टी जमीन पर नही उतरी। कहा था किसानों की आमदनी दोगुनी कर देंगे, आमदनी तो दोगुनी नही हुई, लागत दोगुनी हो गई। कृषि उपकरणों और खेती किसानी से जुड़े तमाम चीजों पर जीएसटी लगा दी। किसानों की आय तब दोगुनी होगी जब उसे फसलों की सही कीमत मिले और उसे अपने उत्पाद बेंचने के लिये खुला बाजार मिले।

रामप्रसाद चौधरी ने कहा यूपी की योगी सरकार ने 8 साल में गन्ना मूल्य 20 रूपया बढ़ाया, जबकि एक कुन्तल गन्ने के उत्पादन में करीब 358 रूपये लागत आ रही है। उन्होने कहा इधर उधर की बात छोड़कर इण्डिया गठबंधन ने जो घोषणा पत्र जारी किया है उसके आधार पर वोट करें जिससे देश की 140 करोड़ जनता को तानाशाह से मुक्ति मिले और सभी को साथ लेकर चलने वाली सरकार बने। इससे पहले रामप्रसाद चौधरी का कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, वीरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय आदि की अगुवाई में फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी नर्वदेश्वर शुक्ल ने किया।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष वीरेन्द्र पताप नारायण पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, डा. शीला शर्मा, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता मो. रफीक खां, पिकी राजभर, कौशल त्रिपाठी, देवी प्रसाद पाण्डेय, बाबूराम सिंह, राजबहादुर निषाद, अशोक श्रीवास्तव, अरविन्द यादव, प्रवीण पाठक, किसान कांग्रेस के रामभवन शुक्ल आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में मुकुल प्रताप नारायण पाण्डेय, शिवनारायण पाण्डेय, अर्जुन पाण्डेय, राजेन्द्र प्रसाद, वीरेन्द्र सिंह, प्रेमसागर, गनेश कुमार दूबे, झिनकाई सिंह, अवधेश प्रताप नारायण पाण्डेय, शिवशंकर, अमरजीत सिंह, भोला पाण्डेय, राजेश्न तिवारी, संतकुमार मिश्र, राजा बाबू, राणा प्रताप सिंह, त्रियुगी नारायण मिश्र, भवानी भ्झीख मिश्र, रामकुमार दूबे, दयाशंकर पाण्डेय, देवकीनंदन पाण्डेय, देवनरायन मिश्र, घनश्याम शुक्ल, रामलौट शुक्ल, सत्यप्रकाश शुक्ल, सुनील पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय, अशोक सिंह, हीरालाल, बब्बन मिश्र, मीरा सिंह, हाकिम तिवारी आदि शामिल रहे।

आकाश के उडान पर बसपा की 'बंदिश'

लखनऊ (आभा)। बसपा प्रमुख मायावती द्वारा आकाश आनंद पार्टी को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटाए जाने के साथ ही उन्हें उत्तराधिकारी बनाने का निर्णय वापस लिए जाने का फैसला बहुजन समाज को रास नहीं आया है।

मायावती के इस फैसले की इंटरनेट मीडिया पर लोगों ने आलोचना की है। मंगलवार को इस संबंध में मायावती द्वारा एक्स पर किए गए पोस्ट में यह प्रतिक्रिया देखने को मिली। मायावती की बुधवार को हरदोई में हुई रैली के यूट्यूब पर हो रहे प्रसारण के दौरान भी लोगों ने इस संबंध में तीखे कमेंट लिखे और आकाश आनंद को वापस लाने की मांग की।

अब बसपा के अंदरूनी मसले पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने टिप्पणी की है। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि आखिर क्यों बसपा ने बड़े फेरबदल किए हैं।

अखिलेश ने इसके पीछे वजह बताई की 'लोकसभा चुनाव में बसपा की एक भी सीट आती हुई नहीं दिख रही है क्योंकि बसपा के अधिकांश परंपरागत समर्थक भी इस बार संविधान और आरक्षण को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन को ही वोट दे रहे हैं। इस बात को बसपा अपने संगठन की विफलता के रूप में ले रही है। इसीलिए उनका शीर्ष नेतृत्व संगठन में इतना बड़ा फेर–बदल कर रहा है लेकिन अब बाजी बसपा के हाथ से निकल चुकी है।'

ईवीएम चलाना सीख लें अधिकारी–प्रेक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्रीमती बबिता से उन्होने नोडल अधिकारियों का परिचय कराते हुए निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में जानकारी दिया। प्रेक्षक ने सभी अधिकारियों को टीम भावना से कार्य करने का निर्देश देते हुए अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का भलीभॉति निर्वहन करने के लिए कहा। उन्होने कहा कि फील्ड में कार्य करने वाले सभी अधिकारी ट्रेनिंग के दौरान ईवीएम संचालन अवश्य सीख लें।

सीडीओ/कार्मिक/स्वीप प्रभारी जयदेव सीएस ने मतदाता जागरूकता अभियान के संबंध में जानकारी दिया। उन्होने बताया कि अबतक लगभग 456000 परिवारों से सम्पर्क किया गया है। उन्होने बताया कि प्रवासी मतदाताओं को पोस्ट कार्ड भेंजे गये है, मोबाइल पर एसएमएस किया गया है। स्थानीय मतदाताओ को आमंत्रण पत्र भेजा गया है। जनपद के सभी 2151 मतदेय स्थलों पर बूथ मतदाता जागरूकता टीम का गठन किया गया है। महिलाओं के लिए अलग से पिंक बूथ तैयार कराया जा रहा है, जहॉ सभी महिला स्टाफ की तैनाती की जायेंगी।

उन्होने बताया कि सभी 2151 बूथ के लिए पीठासीन एवं मतदान अधिकारी प्रथम का प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है। पूर्ण मतदान पार्टी का प्रशिक्षण 14 मई से किसान डिग्री कालेज में कराया जायेंगा। इसमें जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट भी उपस्थित रहेंगे। बैठक में एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, सीएमओ संजीव ओझा, सीएमओ डा. आर.एस. दूबे, एएसपी ओ.पी. सिंह, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, सभी उप जिलाधिकारी तथा नोडल अधिकारी उपस्थित रहें।

जमीनी विवाद में मारा पीटा अधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के पाकरड़ाड निवासी रामप्रगट पुत्र झिनकान ने पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध तत्काल प्रभावी कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

पुलिस अधीक्षक समेत अनेक उच्चाधिकारियों और मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में रामप्रगट ने कहा है कि वह अपनी जमीन पर टीन शेड लगा रहे थे कि गत 9 अप्रैल की शाम को गांव के कजरहिया पत्नी राम मिलन यादव, दुर्गेश शर्मा पुत्र रमेश, वितानू यादव पुत्र अज्ञात और भिटहा निवासी अवधेश यादव पुत्र राम सुभग ने टीन शेड लगाने से रोका और गालियां देने के साथ ही जान से मारने की धमकी देते हुये मारने पीटने लगे। बचाव में आयी उसकी पत्नी को बुरी तरह से मारा पीटा, उसके सिर में चोट आयी जिससे वह बेहोश हो गई। उसे उपचार के लिये जिला अस्पताल ले जाया गया। लालगंज पुलिस ने इस सम्बन्ध में भादवि की धारा 323, 504, 506 के तहत मुकदमा तो दर्ज किया किन्तु कोई प्रभावी कार्वाई न होने से मुल्जिमानों का मनोबल बढ गया।

भेजे पत्र में रामप्रगट ने कहा है कि जमीनी रंजिश को लेकर गत 5 मई को गांव के ही संदीप यादव पुत्र राम मिलन यादव, मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कसैला निवासी राजन पुत्र अज्ञात, कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा निवासी ज्ञानचन्द, पाकरडाड निवासी रामजीत पुत्र बेकारू आदि ने उनके पुत्र सन्तोष शर्मा, लवकुश शर्मा, प्रीती पत्नी लवकेश और पूजा पत्नी सन्तोष को लाठी डण्डो से बुरी तरह से मारा पीटा। लालगंज पुलिस ने इस सम्बन्ध में भादवि की धारा 323, 504, 506, 336 के तहत मुकदमा दर्ज किया किन्तु कार्वाईन होने से वे बेखौफ घूम रहे हैं। वह मुल्जिमानों के भय से गांव में निवास नहीं कर रहा है। रामप्रगट ने दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार पुलिस उच्चाधिकारियों से लगाया है।

घोषणा पत्र को जन–जन तक पहुंचायेगी कांग्रेस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती कांग्रेस पार्टी दफ्तर पर जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एक बैठक हुई जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में पर्यवेक्षक अमरेन्दर मल्ल, लोकसभा कोआर्डिनेटर देवेन्द्र निषाद प्रभारी बृजेश रावत आदि मौजूद रहे। देवेन्द्र निषाद ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कहा चुनाव अब निर्णायक स्थिति में पहुंच चुका है। बूथ तक अपनी पैनी नजर बनाये रखें।

मतदाताओं को इण्डिया गठबंधन के घोषणा पत्र में जानकारी साझा करें। घोषणा पत्र कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। इसमें 140 करोड़ देशवासियों का मान सम्मान और उनकी जरूरतों का पूरा ध्यान रखा गया है। सरकार बनते ही युवाओं, महिलाओं, श्रमिकों, व्यापारियों सभी के हित में तैयार न्याय पत्र शीघ्रता से लागू होगा। उन्होने कार्यकर्ताओं का आवाह्न किया कि वे किसी का इंतजार न करें घोषणा पत्र लें, किसी और को साथ ले लें और जनता के बीच जायें। बृजेश रावत ने कहा तीन चरणों के चुनाव में भाजपा अपनी पुरानी स्थिति बहाल नही कर पाई। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता समर्पित है और उनके हाथों से पार्टी का घोषणा पत्र जन जन तक पहुंच रहा है। रामभवन शुक्ल ने कहा इण्डिया गठबंधन का प्रत्याशी चुनाव जीत रहा है, हमारी मेहनत से उसे शानदार बढ़त मिल सकती है। निश्चित रूप से परिणाम सुखद होंगे। कार्यक्रम का संचालन नर्वदेश्वर शुक्ल ने किया।

बैठक में प्रमुख रूप से गंगा प्रसाद मिश्र, शकुन्तला देवी, सलमा अफसर, सुरेन्द्र मिश्रा, ज्योति पाण्डेय, मंजू पाण्डेय, विनोद रानी आहूजा, कौशल त्रिपाठी, अवधेश सिंह, महेन्द्र श्रीवास्तव, डीएन शास्त्री, लक्ष्मी देवी, मदनलाल मद्धेशिया, शौकत अली नन्हू, अजीत कुमार पाण्डेय, जगदीश शर्मा, भूमिधर गुप्ता, शेर मोहम्मद, बंगाली बाबा, यशराज के.के. दिलीप श्रीवास्तव, सीमा निषाद, सोमनाथ भारती, संजीव त्रिपाठी, अशफाक आलम कुरेशी, अलीम अख्तर, उमेश कुमार, पवन तिवारी, कंचनलता, सत्यप्रकाश गौतम, चन्द्रजीत प्रजापति, अशोक कश्यप, मो. अशरफ, सर्वेश शुक्ल, मो. अकरम, आनन्द निषाद, पप्पू चौधरी, बालमुकुन्द मौर्या, डा. वाहिद, सुजीत शुक्ल, सबीहा खातून, रामनरायन, रंजना सिंह आदि की मौजूदगी रही।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 मई 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार का मायाजाल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री के ओएसडी और नौकर के घर समेत दूसरे अन्य ठिकानों से जिस बडे पैमाने पर नकदी बरामद की है, वह हैरानी से ज्यादा एक गहरी टीस पैदा करने वाली खबर है। एक लंबे जन—आंदोलन के बाद जब यह प्रदेश अस्तित्व में आया, तो बड़ी उम्मीदें थीं कि कुदरती संसाधनों से आबाद यह सूबा तेज तरक्की करेगा और अग्रणी राज्यों में शामिल होकर अपने गठन के औचित्य को सार्थक साबित करेगा। आदिवासियों के जीवन में आमूल—चूल सुधार का सपना देखा गया था, मगर विकास की रफ्तार के बजाय इस प्रदेश की चर्चा नकारात्मक वजहों से ही ज्यादा हुई। अव्वल तो जब से यह बना है, राजनीतिक अस्थिरता का शिकार रहा है। इसे बने हुए अभी बमुश्किल तेईस वर्ष हुए हैं और इस दौरान दस सरकारें बन चुकी हैं। राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में अपना पद छोड़ना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को तो एक मामले में तीन साल की सजा भी सुनाई जा चुकी है। उन पर हजारों करोड़ के कदाचार के अन्य मुकदमे भी चल रहे हैं।

विडंबना देखिए, इस समय देश में आम चुनाव हो रहा है, झारखंड की 14 संसदीय सीटों पर 13 मई और 1 जून को वोट डाले जाएंगे, मगर सार्वजनिक विमर्श में भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत प्रभावी नहीं बन पा रहा। यकीनन, कुछ राजनेताओं ने इसको मुद्दा बनाने की कोशिश की है, मगर लोगों के जेहन में यह मसला कौंध नहीं रहा। आखिर ऐसा क्यों है? क्योंकि मौजूदा समय में शायद ही कोई राजनीतिक पार्टी है, जिसका दामन भ्रष्टाचार के आरोपों से पूरी तरह पाक—साफ हो! जिस समय ईडी झारखंड की इस बरामदगी के सिलसिले में अपने दावे कर रही थी, लगभग उसी वक्त दिल्ली की शराब नीति संबंधी कथित घोटाले में गिरफ्तार प्रदेश के मुख्यमंत्री की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। फिर इलेक्टोरल बॉन्ड के खुलासे को कितने दिन बीते हैं? इसलिए भी शायद मतदाता इस विषय को लेकर उदासीन है। इस उदासीनता की एक वजह राजनेताओं के मुकदमों के निपटारे में देरी भी है। सीएसडीएस के सर्वे में भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भ्रष्टाचार वोटरों की चिंता में नीचे है।

मगर यह उदासीनता और यह प्रवृत्ति झारखंड ही नहीं, समूचे देश के गरीबों व आम आदमी के लिए खतरनाक है। भारत में भ्रष्टाचार एक ऐसा मुद्दा है जो केन्द्रीय, राज्य और स्थानीय सरकारी संस्थानों की अर्थव्यवस्था को कई तरह से प्रभावित करता है। भारत की अर्थव्यवस्था को ठप करने के लिए भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया जाता है। भारत में भ्रष्टाचार के कारणों में अत्यधिक नियम, जटिल कर और लाइसेंस प्रणाली, अपारदर्शी नौकरशाही और विवेकाधीन शक्तियों वाले कई सरकारी विभाग, कुछ वस्तुओं और सेवाओं के वितरण पर सरकार द्वारा नियंत्रित संस्थानों का एकाधिकार, और पारदर्शी कानूनों और प्रक्रियाओं की कमी शामिल हैं।

बताने की जरूरत नहीं कि भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी कीमत उन्हें ही चुकानी पड़ती है। गौर कीजिए, देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों की साक्षरता सूची में झारखंड 32वें नंबर पर है और नीति आयोग के मुताबिक, तीन सबसे अधिक गरीब आबादी वाले प्रदेशों में यह भी शामिल है। ऐसे में, भ्रष्टाचार से निपटने के लिए नागरिक जागरूकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। यहां सवाल जांच एजेंसियों की दक्षता का भी है। प्रवर्तन निदेशालय अब तक कितने राजनेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को आखिरी अंजाम तक पहुंचा सका है? सिर्फ सुर्खियां बटोरने और सनसनी पैदा करने से किसी एजेंसी की प्रतिष्ठा नहीं बनती। उसकी निष्पक्षता और प्रतिबद्धता लोगों की नजरों में अंतिम परिणाम से ही स्थापित होगी। ईडी को झारखंड के ताजा मामले की जांच तेजी से करनी चाहिए। एक गरीब प्रदेश के मंत्री के करीबियों के पास इतनी दौलत कहां से आई? इसकी जड़ तक पहुंचना बहुत जरूरी है। भ्रष्टाचार के प्रति बढ़ती उदासीनता को तोड़ने के लिए भी प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए।

चुनावी स्तर में गिरावट का जिम्मेदार कौन..?

—विश्वनाथ सचदेव—

वे तीनों पढ़े—लिखे हैं। कहना चाहिए उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। उनमें से दो पत्रकार हैं और तीसरा एक बड़े सामाजिक—सांस्कृतिक संगठन में उच्च अधिकारी। इन तीनों में हो रही बातचीत देश में चल रहे चुनाव के बारे में थी और तीनों इस बात पर चिंता प्रकट कर रहे थे कि दुनिया का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश होने का दावा करने वाले देश में चुनाव का स्तर इतना नीचा क्यों होता जा रहा है।

देश में मतदान का तीसरा दौर पूरा हो चुका है। बाकी के चार दौर भी शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। चार जून को मतदान का परिणाम भी सामने आ जायेगा। तब मतदाता तय कर लेगा कि किसको सत्ता में बिठाना है और किसे विपक्ष की भूमिका देनी है। चुनाव जनतंत्र का उत्सव ही नहीं होते, जनतंत्र की प्राणवायु भी होते हैं। और उन तीन जागरूक नागरिकों की चिंता भी इसी बात को लेकर थी कि देश में चुनाव प्रचार का घटता स्तर इस प्राणवायु में जहर घोल रहा था। जहर घोलने जैसे शब्द कुछ कठोर लग सकते हैं, लेकिन चुनाव—प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ—साथ जिस तरह चुनाव प्रचार की भाषा का स्तर गिरता जा रहा है, उसे देखकर देश के बुद्धिजीवियों के आकलन को अनदेखा करना भी गलत होगा। सही यह भी है कि आम मतदाता भी इस गिरते स्तर से स्वयं को कुछ ठगा हुआ महसूस कर रहा है। भाजपा में चुनाव प्रचार की प्रक्रिया बहुत पहले शुरू हो गई थी। इसकी तुलना में विपक्ष बहुत पीछे था। कारण कुछ भी रहे हों, विपक्ष की यह स्थिति भाजपा को अति विश्वास की तरफ ले जा रही थी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा के प्रचार—महारथी बड़े विश्वास के साथ 'अब की बार चार सौ पार' का नारा लगा—लगवा रहे थे।

यह नारा तो अब भी चुनावी—सभाओं में सुनाई दे जाता है, पर आवाज में एक अविश्वास भी झलकने लगा है। जिन तीन बुद्धिजीवियों की बात प्रारंभ में की गई है, उनका यह भी मानना है कि समूचे चुनाव प्रचार में अब एक अंतधारा भी प्रवाहित हो रही है। और यह 'तथ्य' सत्तारूढ़ पक्ष के नेतृत्व को भी पता लग रहा है। शायद यही कारण है कि उसके चुनावी सिपहसालार प्रचार के पुराने हथियारों को उठाने की आवश्यकता महसूस करते लग रहे हैं। स्वयं प्रधानमंत्री की भाव—भंगिमा और शब्दावली भी इसी ओर इशारा कर रही है। फिर से 'शहजादा' शब्द उन्हें जरूरी लगने लगा है। इस बार कांग्रेस भी कुछ ऐसी शब्दावली काम में लेने की रणनीति अपना रही है। कांग्रेस की एक नेता प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री के शहजादा—वार के जवाब में 'शहंशाह' शब्द को तीर बनाया है।

शहजादा और शहंशाह के इस मुकाबले में चुनाव के सही मुद्दे उपेक्षित होते लग रहे हैं। यही नहीं, भाजपा के नेतृत्व द्वारा वर्षों पुरानी बातों को फिर से सामने लाना भी इसी बात का संकेत है कि सत्तारूढ़ दल को अपने किये पर उतना भरोसा नहीं लग रहा, जितना पिछली सरकारों के अनकिये का लाभ मिलने पर है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अल्पसंख्यकों का 'पहला अधिकार' वाला अठारह साल पहले वाला बयान प्रधानमंत्री मोदी को अब फिर उपयोगी लग रहा है। इसी तरह 'तुष्टीकरण' वाली बात भी फिर जोर—शोर से उठायी जा रही है। राम मंदिर के नाम पर कांग्रेस के नेतृत्व को घेरने की कोशिश भी फिर से शुरू हो गयी है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस को, राम विरोधी बताकर एक बार फिर हिंदुत्व को हथियार बनाने की नीति का पालन हो रहा है। कुछ बीजेपी समर्थक तो यह भी कह रहे हैं कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य अब पूरा होता तो कुछ अधिक चुनावी लाभ मिलता!

देश की सारी चुनावी—राजनीति इसी लाभ को केंद्र बनाकर चल रही है। हमारे राजनेता यह भूल रहे हैं कि राजनीति सत्ता के लिए नहीं सेवा के लिए होनी चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि सत्तारूढ़ दल अपने दस साल के कार्यकाल का हवाला देकर फिर से मतदाता का समर्थन मांगता, पर हो कुछ और ही रहा है। हवाला इस बात का दिया जा रहा है कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के परिणामस्वरूप ही आज के प्रधानमंत्री को काम करने में दिक्कत हो रही है। चुनाव प्रचार के स्तर का लगातार गिरना भी यही दर्शाता है कि हमारी आज की राजनीति सही मुद्दों को अनदेखा कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, बेरोजगारी जैसे जरूरी मुद्दों की जगह हमारी राजनीति सांप्रदायिकता का सहारा लेने के लिए जैसे बाध्य हो रही है। संप्रदाय विशेष को 'घुसपैठिए' और 'बच्चे पैदा करने वाली मशीन' बताने वाले एक घटिया राजनीति का उदाहरण ही प्रस्तुत कर रहे हैं। बहुसंख्यकों की संपत्ति को अल्पसंख्यकों को बांटने की 'साजिशों' की बात करना भी हमारी राजनीति के हल्केपन को ही उजागर करता है।

बहरहाल, यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि भाजपा के चार सौ पार वाले नारे ने अल्पसंख्यकों और वंचित वर्ग के मन में एक डर भी पैदा कर दिया है। उन्हें लग रहा है कि लोकसभा में चार सौ से अधिक का बहुमत पाकर भाजपा संविधान को बदलने की स्थिति में आ सकती है। यह सही है कि भाजपा का शीर्ष—नेतृत्व बार—बार इस बात को दुहरा रहा है कि संविधान नहीं बदला जायेगा, और न ही पिछड़ों के अधिकार छीने जाएंगे, लेकिन भाजपा के ही कई नेता इस आशय की बात करते रहे हैं और अब भी कर रहे हैं। ऐसे में मतदाता का शंकालु होना स्वाभाविक है।

प्रधानमंत्री समेत अन्य नेताओं के चुनाव प्रचार में आ रही गिरावट भी चिंता का विषय होनी चाहिए। यह बात कम महत्वपूर्ण नहीं है कि चुनाव आयोग के समक्ष इस गिरते स्तर की शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं। यह पहली बार है जब चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री के खिलाफ मिली ऐसी शिकायत को लेकर प्रधानमंत्री के दल के अध्यक्ष को आगाह किया है। ऐसी कार्रवाई कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भी हुई है। यह भले ही एक प्रकार का संतुलन बनाने की कोशिश हो, पर निश्चित रूप से यह चिंता की बात है कि हमारी राजनीति का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। सारे प्रावधानों के बावजूद हमारे राजनेता घटिया भाषा और घटिया भावों के सहारे राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे। विडंबना यह भी है कि ऐसे घटिया आचरण को रोक पाने में संबंधित एजेंसियां विफल सिद्ध हो रही हैं। हैरानी की बात है कि प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की शिकायत पर चुनाव आयोग ने इन दोनों से पूछताछ के बजाय इनके दलों के अध्यक्षों को पत्र लिखा!

चुनाव प्रचार का यह हल्का स्तर हमारे मीडिया की करनी पर भी सवाल उठाता है। होना तो यह चाहिए था कि ऐसे आचरण की आलोचना हमारा मीडिया करता, पर हो यह रहा है कि मीडिया ऐसी बातों को प्रचारित करने में मददगार सिद्ध हो रहा है! इस घटिया राजनीति का विरोध होना ही चाहिए। और यह विरोध जागरूक मतदाता को ही करना है। मतदाता की जागरूकता जनतंत्र की सफलता—सार्थकता की पहली शर्त है। उम्मीद की जानी चाहिए कि मुंबई के तीन बुद्धिजीवी जिस अंतधारा की बात कर रहे थे उसके मूल में यह जागरूकता प्रवाहित हो रही है।—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बेरोजगारी और स्वरोजगार का द्वंद

—डॉ. सौरभ मालवीय—

बेरोजगारी अनेक समस्याओं की जड़ है। बेरोजगार युवा मानसिक तनाव की चपेट में आ जाते हैं। बहुत से युवा हताशा में नशे की लत के आदी बन जाते हैं। अकसर युवा भटक भी जाते हैं। कई बार वे आपराधिक दलदल में फंस जाते हैं। इसके कारण उनका जीवन तो नष्ट होता ही है, साथ ही परिवार की प्रतिष्ठा पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। बेरोजगार युवकों द्वारा आत्महत्या करने के समाचार भी सुनने को मिलते रहते हैं।

देश में बेरोजगारी के अनेक कारण हैं। इनमें निरंतर बढ़ती जनसंख्या प्रमुख है। इसके अतिरिक्त घटती कृषि भूमि, कुटीर उद्योगों का निरंतर समाप्त होना, युवाओं का अपने पैतृक कार्यों से मोहभंग होना तथा राजकीय नौकरी पाने की इच्छा आदि भी बेरोजगारी में वृद्धि होने के कारण हैं। यदि हम स्वतंत्रता से पूर्व के परिदृश्य पर दृष्टि डालें, तो उस समय लोग स्वरोगार में ही लगे थे। किन्तु स्वतंत्रता के पश्चात् जिस गति से जनसंख्या में वृद्धि हुई, उससे तीव्र गति से रोजगार में गिरावट आई। शिक्षा प्राप्त करने का उद्देश्य केवल राजकीय नौकरी प्राप्त करना हो गया। जिस गति से जनसंख्या में वृद्धि हुई उस गति से रोजगार के अवसर सृजित नहीं हुए। परिणामस्वरूप बेरोजगारी की समस्या दिन— प्रतिदिन बढ़ने लगी।

निःसंदेह जीवनयापन के लिए रोजगार अत्यंत आवश्यक है। रोजगार प्राप्त करने के लिए कुशल होना अति आवश्यक है। बेरोजगारी के साथ—साथ अकुशलता भी एक चुनौती बनी हुई है। जो युवा कुशल हैं, उन्हें कहीं न कहीं रोजगार मिल जाता है। किन्तु जो युवा अकुशल हैं, उन्हें रोजगार प्राप्त करने के लिए अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं की इस समस्या को समझा। इसलिए उन्होंने युवाओं को कुशल करने के लिए दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना प्रारंभ की। उन्होंने 25 सितंबर 2014 को इसका शुभारंभ किया था।

इस योजना का उद्देश्य गरीब ग्रामीण युवाओं को नौकरियों में नियमित रूप से न्यूनतम पारिश्रमिक के समान या उससे अधिक मासिक पारिश्रमिक प्रदान करना है। यह योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए की क्रियान्वित की जा रही है। यह आजीविका प्रदान करने तथा निर्धनता

कम करने का एक अभियान है, जो राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का एक भाग है। इससे ऐसे गरीब ग्रामीण युवा लाभान्वित हो रहे हैं, जो कुशल होना चाहते हैं। इसकी संरचना प्रधानमंत्री के अभियान श्मेक इन इंडियाश के लिए एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में की गई है।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी लोकसभा चुनाव 2024 के घोषणा पत्र 'भाजपा का संकल्प मोदी की गारंटी 2024' में कहा गया है कि पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं तथा 14 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण से कुशल बनाया गया है। भारत को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इको सिस्टम के रूप में स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया है कि वे स्टार्टअप का और अधिक विस्तार टियर—2 और टियर—3 शहरों में करेंगे। इसके अतिरिक्त देश को पर्यटन और सर्विसेज का वैश्विक केंद्र बनाएंगे, जिससे पूरे देश में रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

स्वरोजगार का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे अनेक मामले देखने में आए हैं, जब उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों ने अपनी नौकरी से त्याग पत्र देकर अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। नौकरी में सीमित आय होती है, जबकि व्यवसाय के माध्यम से व्यक्ति अपार संपत्ति अर्जित कर सकता है। देश के अनेक लोग व्यवसाय के माध्यम से ही निर्धनता से निकलकर धनवान बने हैं।

वास्तव में स्वरोजगार से जहां एक ओर बेरोजगार युवा को रोजगार मिलता है, वहीं दूसरी ओर उसके परिवार के अन्य सदस्यों को भी रोजगार प्राप्त होता है। इससे उन्हें नियमित रूप से काम मिलता है। उनका रोजगार स्थायी होता है, तो इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होती है। इससे निर्धनता कम करने में भी सहायता मिलती है।

वास्तव में निर्धनों को आर्थिक अवसरों की अत्यंत आवश्यकता है। इसलिए उनके कार्य क्षमताओं को विकसित करने के संबंध में भी अपार अवसर हैं। देश के जनसांख्यिकीय अधिशेष को एक लाभांश में विकसित करने के लिए सामाजिक एकजुटता के साथ ही मजबूत संस्थानों के एक नेटवर्क का होना अति आवश्यक है। भारतीय और वैश्विक नियोक्ता के लिए ग्रामीण निर्धनों को वांछनीय बनाने के लिए कौशल्य के वितरण के लिए गुणवत्ता और मानक सर्वोपरि हैं। इस योजना के अंतर्गत कई कार्य किए जाते हैं, जिनमें कौशल्य एवं नियोजन, अवसर पर समुदाय के भीतर जागरूकता पैदा करना, निर्धन ग्रामीण युवाओं की पहचान करना, परिक्षण व कार्य में रुचि रखने वाले ग्रामीण युवाओं को एकत्रित करना, युवाओं और उनके माता—पिता की काउंसिलिंग तथा योग्यता के आधार पर उनका चयन करना, रोजगार के अवसर को बढ़ाने के लिए ज्ञान, उद्योगों से जुड़े कौशल और मनोदृष्टि प्रदान करना, ऐसी नौकरियां प्रदान करना, जिनका सत्यापन स्वतंत्र जांच करने की विधियों से किया जा सके और जो न्यूनतम पारिश्रमिक से अधिक भुगतान करती हों आदि सम्मिलित है। यह नियुक्ति के बाद कार्यरत व्यक्ति को स्थिरता के लिए सहायक भी है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना युवाओं को प्रशिक्षण देगी, जिससे उनके करियर में प्रगति होगी। युवाओं का विकास होगा। बेरोजगारी के कारण होने वाले पलायन में कमी आएगी। यह राज्यों को कौशल्य परियोजनाओं का पूर्ण स्वामित्व लेने के लिए सक्षम बनाती है। इस योजना के कई विशेष घटक हैं। इसके अंतर्गत सामाजिक रूप से वंचित समूह के अनिवार्य कवरेज द्वारा उम्मीदवारों का पूर्ण सामाजिक समावेश सुनिश्चित किया जाता है। धन का 50 प्रतिशत अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों के लिए और तीन प्रतिशत विकलांग व्यक्तियों के लिए निर्धारित करने का प्रावधान है। उम्मीदवारों में एक तिहाई संख्या महिलाओं की होनी चाहिए।

इस योजना के अंतर्गत एक त्रिस्तरीय कार्यान्वयन प्रतिरूप है। नीति निर्माण, तकनीकी सहायता और सरलीकरण एजेंसी के रूप में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना राष्ट्रीय यूनिट ग्रामीण विकास मंत्रालय में कार्य करती है। यह योजना के राज्य मिशन कार्यान्वयन को समर्थन प्रदान करती है और परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसियां कौशल्य और नियोजन परियोजनाओं के माध्यम से कार्यक्रम को लागू करती है।

यह योजना बाजार की मांग के समाधान के लिए नियोजन से जुड़ी कौशल्य परियोजनाओं के लिए 25,696 रुपये से लेकर एक लाख रुपये प्रति व्यक्ति तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जो परियोजना की अवधि और परियोजना के आवासीय या गैर आवासीय होने पर निर्भर करता है। योजना तीन महीने से लेकर 12 महीने तक के प्रशिक्षण अवधि की परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत अनुदान के घटक दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना 250 से अधिक व्यापार क्षेत्रों जैसे खुदरा, आतिथ्य, स्वास्थ्य, निर्माण, मोटर वाहन, चमड़ा, विद्युत, पाइप लाइन, रत्न और आभूषण आदि को अनुदान प्रदान करता है। इसका एकमात्र अधिदेश है कि कौशल प्रशिक्षण मांग आधारित होना चाहिए और कम से कम 75 प्रतिशत प्रशिक्षुओं की नियुक्ति होनी चाहिए।

ऐसे में कुशल युवकों के लिए रोजगार के द्वार खुल जाएंगे। इस योजना का प्रचार—प्रसार भी होना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि विकसित भारत के निर्माण के जिस संकल्प को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं, युवा उसके महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। हमारा दृष्टिकोण ऐसा विकसित भारत बनाना है जहां प्रत्येक युवा अपने श्रम एवं कौशल क्षमता का पूरा उपयोग कर सके। हम युवाओं को सीखते हुए कमाने के अवसर देने के लिए एनईपी के अंतर्गत एकीकृत शिक्षा प्रणाली विकसित करेंगे। हम युवाओं को एनईपी और अन्य योजनाओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों की गारंटी देते हैं।

युद्ध की विभीषिका और मानवता

—दीपिका अरोड़ा—

भोजन हमारे जीवन की आधारभूत आवश्यकता है, जिसके बिना जीने की कल्पना तक करना असंभव है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक खाद्य संकट को लेकर जारी हालिया रिपोर्ट पर दृष्टिपात करें तो विगत वर्ष विश्व के 59 देशों में 28 करोड़ से अधिक लोगों को भूख का सामना करना पड़ा। फलस्तीन, दक्षिणी सूडान, यमन, सीरिया एवं हैती में भुखमरी की स्थिति बेहद गंभीर आंकी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, विगत 7 माह से युद्ध का सामना कर रहे गाजा में लगभग 11 लाख लोग भूख के पैमाने के पांचवें स्तर पर पहुंच गए। मई माह के दौरान यहां भुखमरी फैलने व जुलाई में अकाल जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने संबंधी आशंकाएं कुलबुलाने लगी हैं।

भुखमरी का प्रकोप बढ़ाने में यद्यपि प्राकृतिक आपदाओं, खाद्यान्न की बर्बादी आदि अन्यान्य कारणों का बड़ा हाथ रहता है तथापि उन युद्धजन्य दुष्प्रभावों को भी नहीं नकार सकते जो गरीबी व भुखमरी की बढ़ोतरी में मुख्य रूप से जिम्मेदार बनते हैं। जैसा कि सर्वविदित है, इस्राइल पर हमास के आतंकी हमले के प्रत्युत्तर में 7 अक्तूबर को इस्राइल द्वारा गाजा पट्टी पर भीषण बमबारी की गई। निरंतर चल रहे इस खूनी संघर्ष में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे गए, 77 हजार से अधिक हताहत हुए, लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। मृतकों में सर्वाधिक, 14,500 बच्चे शामिल हैं। खबरों के अनुसार, इस्राइल अब दक्षिण में स्थित राफा शहर पर हमले की तैयारी में है, जो वर्तमान में 10 लाख से अधिक फलस्तीनियों की शरणस्थली बना हुआ है। धधकते शोलों का सामना करते गाजा के 23 लाख नागरिक प्रतिदिन भोजन अनुपलब्धता की समस्या से जूझ रहे हैं। ऑक्सफेम के मुताबिकध्, हजारों लोग औसतन 245 कैलोरी पर जीवित हैं जबकि एक व्यक्ति को प्रतिदिन 1,600 से 3,000 कैलोरी चाहिए।

युद्ध की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं हमले में अभिभावकों को गंवा चुके फलस्तीनी बच्चे। दिन भर पंक्ति में खड़े रहने के बावजूद उन्हें दो वक्त का भोजन—पानी तक नसीब नहीं हो पाता। भोजन व आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव में हजारों मासूम बच्चे कुपोषण का शिकार हो चुके हैं। युद्ध के दौरान जन्मे बच्चों की स्थिति तो और भी शोचनीय है। मीडिया की रिपोर्टानुसार, 17 अप्रैल तक गाजा के अस्पतालों में कुपोषण के कारण जान गंवाने वाले 12 साल से कम आयुवर्ग के बच्चों की संख्या 28 रही, जिनमें एक माह से कम उम्र के 12 बच्चे शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों के बावजूद, इस्राइल—हमास के मध्य युद्धविराम पर समझौता संभव नहीं हो पाया। हालांकि हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान, हमास राजनेता खलील अल—हया द्वारा रखे गए संधि प्रस्ताव के दृष्टिगत संभावनाएं पनपी तो हैं। अल हया के मुताबिकध्, अगर 1967 के पहले वाली सीमाओं के तहत स्वतंत्र फलस्तीन देश की स्थापना होती है तो न केवल हमास हथियार डाल देगा बल्कि खुद्द को मात्र एक राजनीतिक दल में बदल लेगा। उन्होंने पांच वर्ष या उससे अधिक समय के लिए युद्धविराम पर राजी होने की बात भी कही। बयान पर इस्राइल या फलस्तीनी अथॉरिटी की कोई प्रतिक्रिया आने तक स्थिति संशयपूर्ण है चूंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सुझाए दो राष्ट्रों वाले समाधान को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पूर्व में नकार चुके हैं।

मानवीय दृष्टिकोण से आतंकवाद का दमन करना निस्संदेह अत्यावश्यक है किंतु प्रतिशोध की भावना से निर्दोष लोगों को युद्ध की आग में झोंकना भी सर्वथा अमानवीय है। 6 महीनों के दौरान हुए भीषण नरसंहार के चलते विश्व के अनेक हिस्सों में इस्राइल के विरुद्ध रोष पनपने लगा है। विगत माह, 25 मार्च को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव पारित किया, जिसमें गाजा में 'तत्काल' युद्धविराम का आह्वान किया गया। अमेरिका के न्यूयार्क से लेकर कैलिफोर्निया तक विभिन्न विश्वविद्यालयों से छात्रों के आक्रोशित स्वर मुखर हो रहे हैं।

युद्ध तबाही के अतिरिक्त कुछ नहींय भले ही वह गृहयुद्ध हो अथवा दो देशों के मध्य व्याप्त हिंसात्मक संघर्ष। सूडान हो या सोमालिया लगातार गृहयुद्ध से जूझते अफ्रीकी देशों में लोग वर्षों से भूख व गरीबी के साए में जीने को विवश हैं। रूस—यूक्रेन युद्ध हो या हमास—इस्राइल जंग, उर्वरक धरती को बंजर बनाने का खामियाजा समूचे विश्व को भुगतना पड़ता है।

मोदी को प्रधानमंत्री बनाकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें कार्यकर्ता –स्वतंत्रदेव

संवाददाता–बलरामपुर। पं. दीन दयाल उपाध्याय ने हजारों घरों की कुंडियों को खड़काया था तब जाकर एक पं. अटल बिहारी बाजपेयी मिले थे। भारतीय जनता पार्टी ऐसे कार्यकर्ताओं का निर्माण करती है जो आगे चलकर राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनते हैं। यह बातें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को तुलसीपुर मार्ग स्थित मधु विजा लॉन में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में कही। मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री ने कहा कि सदन में सोनिया गांधी ने अटल बिहारी बाजपेयी को निकम्मा कहा था। 2014 से अभी तक देश की जनता ने कांग्रेस को सरकार बनाने का मौका नहीं दिया है। 2024 का चुनाव राष्ट्र निर्माण का है। कांग्रेस पार्टी रामसेतु एवं राम को काल्पनिक मानती थी। पीएम बनने के बाद मोदी ने राम मंदिर बनवाकर करोड़ों हिंदुओं के आस्था का मान रखा है। राम मंदिर बनने से सभी लोगों को फायदा पहुंचा है। कांग्रेस की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर था। आए दिन घोटाले होते रहते थे। कहा कि पहले की सरकारों में जगह–जगह बम फूटते थे। 2014 में भाजपा की सरकार बनने पर देश में कहीं भी बम नहीं फूटा है। लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कांग्रेस की सरकार में श्रीनगर के लाल चौराहे पर तिरंगा नहीं फहराता था। आतंकियों के हौसले बुलंद थे। भाजपा की सरकार बनने पर आज लाल चौक पर शान से तिरंगा फहरा रहा है। वह बोले कि सपा और बसपा गुंडों की पार्टी है, जबकि भाजपा राष्ट्रवादी पार्टी है। योगी की सरकार में कांवड़ यात्रा में हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों के ऊपर पुष्प वर्षा की जा रही है। जबकि पहले की सरकारों में कांवड़ यात्रा व राम बारात पर प्रतिबंध लगाया जाता था। बूथ अध्यक्षों से कहा कि जनता के बीच जाने से कार्यकर्ताओं का कद बढ़ता है। कार्यकर्ता सच्चे मनोयोग से चुनाव में काम करें और मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने की। इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव, लोकसभा संयोजक शंकर दयाल पाण्डेय, अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी, सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, नगर पालिका चेयरमैन धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी, अजय सिंह पिंकू, चन्द्र प्रकाश सिंह गुड्डू, वरुण सिंह मोनू, अवधेश तिवारी तरुण, डॉ प्रांजल त्रिपाठी, विष्णुदेव गुप्ता, अवधेश पाण्डेय, श्याम मनोहर तिवारी, गोविंद सोनकर, आद्या सिंह, मंजू तिवारी, विनोद गिरी, कृष्ण गोपाल गुप्ता, राघवेन्द्र कांत सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

राष्ट्र उत्थान में अमूल्य है अधिवक्ताओं की भूमिका –अटल

संवाददाता–बहराइच। भारतीय लोकतंत्र में अधिवक्ताओं की भूमिका विषय को लेकर शहर के सखेंय्यपुरा स्थित जैन अतिथि गृह में अधिवक्ता समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य स्थाई अधिवक्ता प्रदेश हाईकोर्ट लखनऊ के सचिव बार काउंसिल प्रशांत सिंह अटल व विशिष्ट अतिथि राज्य विधि अधिकारी ओंकारनाथ निषाद रहे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि देश की आजादी से लेकर अब तक अधिवक्ता समाज का अमूल्य योगदान रहा है। अधिवक्ता हमेशा राष्ट्र के उत्थान के लिए अग्रसर भूमिका में रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर ले जाने में अधिवक्ताओं के कंधे पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिवक्ताओं से आवाहन किया कि वह शत प्रतिशत मतदान के लिए लोगों को जागरूक करें। जिससे देश हित में कार्य करने वाली सरकार की बनाई जा सके। पहले केवल 60 वर्ष की आयु तक के अधिवक्ताओं की मृत्यु होने पर पांच लाख रुपए दिए जाते थे। अब उसकी आयु बढ़ाकर 70 वर्ष कर दी गई है। सरकार ने अधिवक्ता कल्याण निधि की धनराशि 200 करोड़ से बढ़ाकर 500 करोड़ रुपए किया है। वर्ष 2018 से अब तक 2757 अधिवक्ता बन्धु के आश्रितों को 127 करोड़ 81 लाख 50 हजार का भुगतान किया गया है। गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा के महत्व एवं विधि छात्रों की आकांक्षाओं को पूरा करने के दृष्टिगत प्रयागराज में 387 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। अधिवक्ता कल्याण निधि जो अधिवक्ताओं को 30 वर्ष की वकालत पूरा करने पर मिलता है। प्रदेश सरकार ने उसकी धनराशि 25 नवंबर 2021 को 300 प्रतिशत से अधिक बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दिया है। 25 नवंबर 2023 को उत्तर प्रदेश सरकार ने अपनी घोषणा के अनुरूप नए अधिवक्ताओं को तीन वर्ष तक पांच हजार प्रतिवर्ष किताब कापी व स्टेशनरी के लिए दे रही है। उत्तर प्रदेश अधिवक्ता सामाजिक सुरक्षा निधि योजना के तहत अब तक अधिवक्ताओं को 81 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंग्रेजों के बनाए गए अनुपयोगी कानून को समाप्त किया। आपराधिक कानून में आमूल चूल परिवर्तन करके भारत न्याय संहिता भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा भारतीय न्यायिक सुरक्षा संहिता 2023 पास किया है। जिससे न्याय क्षेत्र में अनावश्यक पेचीदगी समाप्त हुई है। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि राज्य विधि अधिकारी ओंकारनाथ निषाद ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद आर्या ने सभी का आभार जताया। संचालन अरविंद सिंह सेंगर एवं आलोक पाठक ने किया। कार्यक्रम में किसान संघ के प्रदेश मंत्री हरि बहादुर सिंह, सह विभाग संघचालक कृष्णानंद शुक्ल, जिला कार्यवाह भूपेंद्र सिंह, डॉ. गोविंद शेखर, वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व विधायक राम अचल सिंह सेंगर, रामगोपाल सिंह, सांवली प्रसाद शुक्ला, सूबेदार मिश्रा, सुरेंद्र सिंह जगदंबा बक्श सिंह, आदि उपस्थित रहे।

भारत-नेपाल सरहदी इलाके में असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़

संवाददाता–बहराइच। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा के नतीजे सामने आ रहे हैं। मोतीपुर थाने व एसओजी की संयुक्त टीम ने बुधवार को भारत– नेपाल सरहद के दुरूह इलाके में अवैध असलहों की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। लखीमपुर जिले का शातिर अपराधी विभिन्न बोर के असलहे व कारतूस बनाते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। विभिन्न बोर के निर्मित, अर्धनिर्मित असलहे, शस्त्र बनाने के उपकरणों को बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी पर लखीमपुर जिले में तीन व बहराइच में एक केस दर्ज है। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत असलहे की फैक्ट्री के भंडाफोड़ से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि मोतीपुर एसएचओ दद्दन सिंह को भनक लगी कि लखीमपुर जिले का कोई शातिर अपराधी मोतीपुर के किसी इलाके में अवैध रूप से असलहे बना कर अपराधियों को बेच रहा है। उन्होंने अफसरों को इसकी जानकारी दी। एएसपी ग्रामीण डॉ. पवित्र मोहन त्रिपाठी व सीओ नानपारा राहुल पांडेय के पर्यवेक्षण में एसएचओ दद्दन सिंह, दरोगा मनोज कुमार राव, सुरेश चंद्र गिरी, मुख्य सिपाही अमित यादव, सिपाही गणेश पांडेय, स्वाट प्रभारी अनुज त्रिपाठी व उनकी टीम ने छानबीन के बाद बुधवार को बरुआ से मटाइनपुरवा जाने वाले मार्ग पर पुलिया के नीचे घेराबन्दी कर दबिश दी। जहां असलहे बना रहे लखीमपुर जिले के धौरहरा थाने के शायपुर निवासी संतराम को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी ने कबूला कि लखीमपुर पुलिस की सख्ती से वह कुछ दिन पहले से ही सरहद इलाके में आकर रह रहा था। गिरफ्तार आरोपी पर शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। मोतीपुर पुलिस व स्वाट की संयुक्त दबिश में एक रिवाल्वर .32 बोर, 315 बोर के छह निर्मित व अर्द्धनिर्मित तमंचे, एक 12 बोर का तमंचा, पांच अदद खोखा कारतूस, एक मिस कारतूस बरामद किया है। इसके अलावा तीन प्लास व सड़सा, चार हथौड़ा, सात अदद रेती, चार रेगमाल पीस, लकड़ी का ठीहा आदि बरामद किया गया है।

वृंदा शुक्ला, एसपी ने कहा कि काफी समय से हमें इनपुट मिल रहे थे कि बहराइच के नेपाल सीमावर्ती इलाके में अवैध शस्त्र बनाने की फैक्ट्री चल रही है, जिस पर एसओजी लम्बे समय से काम कर रही थी, मंगलवार की रात हमें सफलता प्राप्त हुई है। 08 बने हुए तमंचे और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद कर फैक्ट्री चलाने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कई माह से चिकित्सक का पद खाली, भटक रहे मरीज

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय बाजार में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कई माह से चिकित्सक का पद रिक्त है। इसके चलते क्षेत्र के दर्जनों गांव के लोगों को इलाज कराने में परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। स्वास्थ्य केंद्र में पिछले कई माह से यहां उपचार के लिए आने वाले मरीजों की दिनों दिन परेशानी बढ़ती जा रही है। अस्पताल में आयुष चिकित्सक व फार्मासिस्ट द्वारा मरीजों का उपचार किया जा रहा है। बुधवार को आयुष चिकित्सक भी अस्पताल में थे। बताया गया कि वह अवकाश पर हैं। मरीजों को उचित उपचार न मिलने से मजबूरीवश उन्हें निजी चिकित्सालयों का सहारा लेना पड़ रहा है। जहां पर उन्हें भारी भरकम रकम भी चुकानी पड़ती है। रंजीत गुप्ता, मोहम्मद इलियास, मुशाहिद रजा व अलाउद्दीन ने बताया कि यहां स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत चिकित्सक डॉ मनीष कुमार को सीएचसी श्रीदत्तगंज का अधीक्षक बना दिया गया। उसके बाद विभाग की ओर से यहां दूसरे चिकित्सक की तैनाती न करने से पद रिक्त चल रहा है। क्षेत्र में इस समय बढ़ती गर्मी के कारण मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक के अभाव में क्षेत्र के लोगों को निजी चिकित्सालय जाकर अपना उपचार कराना पड़ रहा है।

प्रेक्षक ने भारत–नेपाल सीमा का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प्रेक्षक सामान्य किशोर कुमार की ओर से मतदान की तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। बुधवार को प्रेक्षक एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सुइया बॉर्डर स्थित भारत–नेपाल सीमा का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक ने बार्डर पर स्थित एसएसबी चेक पोस्ट पर पहुंचकर जवानों से कुशल क्षेम जाना तथा सुइया बॉर्डर बैरियर,नो मेंस लैण्ड पर आवागमन की स्थिति, इण्डो नेपाल बॉर्डर पर स्थापित बैरियर व चेकपोस्ट के बारे में एसएसबी के जवानों व सम्बन्धित अधिकारियों से जानकारी ली। प्रेक्षक ने नेपाल से आने–जाने वालों पर कड़ी नजर रखने, बारीकी से जांच पड़ताल करने का निर्देश दिया। प्रेक्षक ने नाका चेक पोस्ट बैरियर पर की गयी तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

भ्रमण के दौरान प्रेक्षक ने शैडो (बूथ संख्या 251) प्राथमिक विद्यालय मदारगढ़ पहुंच कर मतदाताओं की संख्या के बारे में जानकारी ली। इसके साथ आवागमन की स्थिति, नेटवर्क व बिजली पानी की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने नो मेंस लैण्ड पिलर संख्या 635 के निकट स्थिति गांव हाजीपुर(भारत) का भ्रमण किया गया तथा नो मेंस लैण्ड पर स्थिति बनिया गांव (नेपाल) के बारे में भी जानकारी ली। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय तालबघौड़ा स्थित बूथ संख्या 249–250 का भी निरीक्षण कर तैयारियों के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही सिरसिया स्थित मतदान केन्द्र जूनियर हाईस्कूल पहुंच कर तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, लाइजन अधिकारी प्रेक्षक अभिषेक उपाध्याय, क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे, प्रभारी निरीक्षक थाना सिरसिया भानुप्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से संवरता है जीवन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। भगवान भागवतजी ही सनातन संस्कृति के जनक है। इस ग्रंथ में 4 वेद 6 शास्त्र 18 पुराण का समावेश है। इस ग्रंथ को पढ़ने व सुनने मात्र से जनमानस अपने संस्कृति को जान जाता है और सदमार्ग पर चलने लगता है।

उक्त सदविचार अयोध्याधाम से पधारे कथा वाचक स्वामी सूर्यकांताचार्य जी महाराज ने सदर ब्लाक के बनतला गांव मे चल रही नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन व्यास पीठ से प्रवचन सत्र मे व्यक्त किया। उन्होंने कथा को विस्तार देते हुए कहा कि भागवत वही कथा है जो भगवान शिव ने माता पार्वती को सुनाया था। कथा सुनना भी सबके भाग्य में नहीं होता जब भगवान भोलेनाथ से माता पार्वती ने उनसे अमर कथा सुनने की प्रार्थना की तो बाबा भोलेनाथ ने कहा कि जो पहले यह देखकर आओगी कैलाश पर तुम्हारे या मेरे अलावा कोई और नहीं है क्योंकि यह कथा सबको नसीब नहीं होता। माता ने देखा तो वहां कोई नहीं था। भगवान शंकर ने पार्वती जी को जो अमर कथा सुनाया था वही भागवत कथा है। लेकिन मध्य में पार्वती जी को निद्रा आ गई और कथा शुक जी ने सुन ली। सुख जी द्वारा चुपके से अमर कथा सुनने के कारण जब शंकर जी ने उन्हें करने के लिए दौड़े तो वह एक ब्राह्मणी के गर्भ में छुप गए। कई वर्ष बाद व्यास जी के निवेदन पर भगवान शंकर इस पुत्र को ज्ञानवान होने का वरदान दिया। व्यास जी जब शुक को बाहर आने के लिए कहा तो हुआ वचन मांगे कि मुझे सदा माया से सदा मुक्त किया जाए। तब भगवान नारायण स्वयं आकर बोले कि आपके ऊपर मेरी माया कभी नहीं लगेगी। तब जाकर बाहर आते हैं। वर्तमान समय में मानव जीवन माया के बंधन के चारों तरफ से गया है और बार बार इस माया के चक्कर में फस कर धरती पर अलग–अलग योनियों में जन्म ले रहा है। इससे बचने का मात्र एक ही साधन भागवत कथा है। जिसके श्रवण से नारायण के चरणों में स्थान आसानी मिल जाएगा।

मुख्य यजमान हनुमान प्रसाद शुक्ल काका, मिथिलेश शुक्ला, ई रवीद्र नाथ शुक्ल, डा आकांक्षा शुक्ला, डा योगेंद्र नाथ शुक्ल, ई धर्मेन्द्र नाथ शुक्ल, श्वेतांगी शुक्ला, लक्ष्मी शंकर शुक्ल, पुष्कर शुक्ल, अमित शुक्ल, रविशा शुक्ला, आलोक शुक्ला, आदर्श शुक्ला, सूरज शुक्ला, फूलचंद्र शुक्ल, रमेश चंद्र, दिलीप गिरी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पूर्व शिक्षकों ने किया आह्वान शत प्रतिशत करें मतदान

संवाददाता–श्रावस्ती। प्राथमिक विद्यालय इकौना के प्रांगण में सेवानिवृत्त शिक्षकों की मासिक बैठक की गई। बैठक की शुरुआत सरस्वती वंदना तथा गुरु वंदना से हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष सेवानिवृत्त शिक्षक रामबरन त्रिपाठी ने किया। संघ के मंत्री तुलसीराम वर्मा ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के समस्याओं के बारे में चर्चा की। अध्यक्ष रामबरन त्रिपाठी ने कहा कि 25 मई को होने वाले लोकसभा मतदान में सभी लोग अपना अपना मतदान जरूर करें। खुद मतदान करें और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। अपने घर अपने मोहल्ले तथा अपने गांव का कोई भी मतदाता मतदान करने से वंचित न रहने पाये। सभी लोग पूरा प्रयास करके मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि जो लोग मतदान केन्द्र तक जाने में असमर्थ हो उसको किसी साधन से मतदान स्थल तक अवश्य पहुंचाने का प्रयास करें। संरक्षक रघुपति पांडेय ने सभी को मोबाइल ऐप के माध्यम से अपना नाम वोटर लिस्ट में देखने तथा जिनके नाम वोटर लिस्ट में नहीं है। उनका नाम कैसे वोटर लिस्ट में सम्मिलित हो इसके बारे में बताया। आप सभी अपने परिवार अपने धर्म तथा राष्ट्र के हित एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने मत का प्रयोग करें। बैठक में दीप नारायण पाठक अंगद गोस्वामी, श्री पति तिवारी, राम उग्गर वर्मा, राजकिशोर वर्मा, कृष्णानंद मिश्रा, कमला देवी आदि दर्जनों सेवानिवृत्त शिक्षक उपस्थित रहे।

महंत विमला बिहारी शरण को संतो महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। त्याग तपस्या और वैराग्य की वैष्णो नगरी अयोध्या में श्री महंत विमला बिहारी शरण जी महाराज सिद्ध संतों में से एक थे जो गौ सेवा संत सेवा ब्राह्मण सेवा और दरिद्र नारायण की सेवा निरंतर करते रहते थे ऐसा माना जाता है कि जो भी व्यक्ति श्री महाराज जी के आश्रम नया घाट स्थित श्री युगल विनोद कुंज में पहुंचा वह खाली हाथ नहीं लौटा श्री महाराज जी उसकी इच्छाओं की पूर्ति करने का हर प्रयास करके ही भेजते थे। श्री युगल विनोद कुंज के वर्तमान पीठाधीश्वर रामायणी महंत रामेश्वर शरण जी महाराज ने बताया कि श्री महाराज जी की 27 वीं पुण्यतिथि उल्लास के साथ मनाई गई अयोध्या के संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

महंत रामेश्वर शरण जी महाराज ने बताया कि श्री महाराज जी अवध आसाम में सेवा को ही सर्वस्व मानते थे और निरंतर लोगों की सेवा आश्रम का विकास और ठाकुर जी की सेवा में ही लगे रहते थे उन्होंने बताया कि श्री महाराज जी बताते थे कि सेवा और भजन के लिए यह नश्वर शरीर प्रभु श्री राम ने हमें सौंपा है और हम बड़े सौभाग्य है कि उनकी जन्मस्थली में बास मिल रहा है। इसलिए निश्चल भाव से प्रभु की सेवा और भजन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्रद्धांजलि सभा के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के संतो महंतों ने प्रसाद पाया। अवसर पर महंत कमल नयन दास,महंत पवन कुमार शास्त्री, त्यागी सीतारामदास, छविराम दास, महंत अर्जुनदास, रामायणी रामदास दयालु सहित सैकड़ों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रसाद पाया।

न जातिवाद और न परिवारवाद वोट सिर्फ राष्ट्रवाद –सिंह

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से भिनगा विधानसभा का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन कराया गया जिसके मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रहे। उन्होंने कहा कि इस बार न जातिवाद और न ही परिवारवाद वोट सिर्फ राष्ट्रवाद पर जनता देगी। सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने किया।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में बोलते हुए स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि आज के समय में आदर्श शासन और रामराज्य की नींव रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद ही करोड़ों लोगों को अपना घर, करोड़ों महिलाओं नि:शुल्क गैस, करोड़ों लोगों के पास अपना बैंक खाता, करोड़ों किसानों के पास किसान सम्मान निधि की सुविधा है। प्रधानमंत्री ने असंभव को संभव कर दिखाया है। जनता स्वयं मन बना चुकी है कि न जातिवाद, न परिवारवाद,न क्षेत्रवाद अब वोट पड़ेगा सिर्फ राष्ट्रवाद पर। क्योंकि अब न ही गुंडागर्दी होती है और न ही कांवर यात्रा, दीपोत्सव, दुर्गा पूजा, दीपोत्सव पर प्रतिबंध लगता है बल्कि अब राम बारात और कांवर यात्रा पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करते हैं। लोकसभा प्रत्याशी साकेत मिश्रा ने कहाकि 2024 लोकसभा चुनाव में 400 पार की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा सबको अपना घर के संकल्प पर अनवरत चलते हुए 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनायेंगे। बूथ सम्मेलन का समापन लोकसभा संयोजक शंकर दयाल पाण्डेय ने तथा संचालन जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला ने किया। कार्यक्रम को पदमसेन चौधरी, विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय, लोकसभा प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव, जिला प्रभारी शिवनायक वर्मा ने भी संबोधित किया। इस दौरान जिला महामंत्री पुरुषोत्तम कौशल, रमन सिंह, ब्लॉक प्रमुख अमित सिंह, शिवम जायसवाल, प्रकाश चंद, सत्यव्रत सिंह, अरविंद गुप्ता, भगतराम वर्मा, अंकित निषाद, सुरेश चौहान, अटल बिहारी मिश्रा, श्रवण वर्मा सहित भारी संख्या में भिनगा विधानसभा के बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

रेडक्रास ने 22 यूनिट रक्तदान कर बनाया सबसे बड़े कैंप का रिकार्ड

संवाददाता–श्रावस्ती। विश्व रेडक्रॉस दिवस पर संयुक्त जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने फीता काटकर किया। कैंप में आपदा मित्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और 22 यूनिट रक्तदान किया गया। जो अब तक का एक कैंप में सबसे बड़ा रक्तदान है। संयुक्त चिकित्सालय भिनगा के ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने कहा कि रेडक्रॉस दिवस आपदा मित्रों ने सराहनीय कार्य किया है। मानवता को समर्पित संस्था रेडक्रॉस की ओर से पूरे विश्व में 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है। जनपद शाखा ने इस दिन भारी संख्या में रक्तदान कर इस दिवस के आयोजन को सफल कर दिया है। आयोजक सचिव अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि इस वर्ष भी रेडक्रॉस ने जनपद का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर आयोजित किया है। यह रक्तदान शिविर इस लिए विशेष है क्योंकि इस बार प्रथम बार आपदा मित्रों ने रक्तदान किया है। उन्होंने बताया कि रक्तदान के प्रति जागरूकता न होने के कारण अधिकतर एसएसबी व पुलिस बल के जवान ही रक्तदान करते हैं। विशाल रक्तदान शिविर आयोजन के लिए ब्लड डोनेशन काउंसलर प्रियंका शुक्ला ने रेडक्रॉस को धन्यवाद दिया है।

गोवर्धन लीला महोत्सव पर भगवान को लगाया गया 56 भोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मकराना राजस्थान से पधारे श्री सीताराम रांडद परिवार द्वारा आयोजित श्री मद भागवत कथा में व्यास पीठ पर विराजमान जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामीश्री श्री धराचार्य जी महाराज ने कथा के मार्मिक प्रसंगों का श्रवण कराते हुए कहा भक्त वत्सल प्रभु माया रूपी पूतना को भी उत्तम गति प्रदान करते है प्रभु श्री कृष्ण शिक्षा देते हैं व्यक्ति चाहे दुष्ट भाव से ही क्यों नहीं यदि मेरी शरण में आ जाता है तो प्रभु श्री कृष्ण का गुण है शरणागत रक्षक हैं प्रभु नंद बाबा ने गर्गाचार्य जी महाराज को बुलाकर नामकरण संस्कार कराया श्रीकृष्ण को गोद में लेकर गर्गाचार्य जी की समाधि लग गई मां यशोदा ने कहा बाबा आप नामकरण संस्कार कराए आए हैं कि सोने गर्गाचार्य जी बोले मां प्रभु दर्शन के लिए ही तो मैंने पुरोहित कर्म को अपनाया है।

नामकरण संस्कार करते हुए मां यशोदा से कहते हैं मां तेरे लाला के अनेकों नाम होंगे मां तेरा लाला अपनी लीला से सभी को आनंद देगा भगवान श्री कृष्ण के सभी संस्कार गर्गाचार्य जी यथा समय पूर्ण करते है बचपन से ही प्रभु श्री कृष्ण अनेको राक्षसों का संहार करते हैं प्रभु माखन चोरी लीला के माध्यम से जन्म जन्मांतरों के पाप को चुराकर पुण्य उदित करने हेतु गोपियों के घर जाकर माखन चोरी लीला करते हैं प्रभु गोचारण करने वन में जाते हैं गौ माता की सेवा नित्यप्रति करते हैं गौ माता के महत्व को बताते हुए प्रभु कहते हैं गाय संपूर्ण विश्व की माता है गो सेवा से ही गोविंद प्रसन्न होते हैं यमुना जी के विषाक्त जल को पवित्र करने के लिए कालिया नाग को प्रभु सरण में लेकर दूर भेज ते है ब्रज में प्रभु श्री कृष्ण के जन्म लेने से नित्य उत्सव मनाया जाते हैं प्रभु श्री कृष्ण का दर्शन पाकर सभी बृजवासी अपने को धन्य समझते है गिरिराज धरण की लीला के द्वारा प्रभु प्रकृति के पूजन का महत्व बताते हैं प्रभु श्री गोवर्धन पर्वत की पूजा सभी ब्रज वासियों से कराते हैं इंद्र सामंत मेघों के द्वारा ब्रज में घोर वृष्टि कराते हैं सभी ब्रजवासियों के देखते–देखते कनिष्ठा अंगुली में सात कोस लंबे चौड़े गिरिराज पर्वत को उठा लेते हैं घबराकर इंद्र प्रभु चरणों में शरणागति करते हैं शरण में आए इंद्र को प्रभु अपना लेते हैं ,गोवर्धन लीला का महोत्सव अशर्फी भवन में धूमधाम से मनाया गया भगवान को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया रांडद परिवार के सभी भक्तजन कथा को सुनकर हर्ष का अनुभव कर रहे है।

संदिग्ध वाहनों की तलाशी अभियान तेज, रखी जा रही है तेज निगाह

संवाददाता–श्रावस्ती। लोक सभा चुनाव में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए वाहनों का चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। नेपाल सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ ही बिना जांच के भारतीय क्षेत्र में वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। लोक सभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल कराये जाने के लिए अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देश पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक यातायात दिलीप कुमार मय पुलिस टीम की ओर से क्षेत्र भ्रमण के दौरान खरगौरा मोड़ थाना भिनगा, चिल्हरिया मोड़, बेवई पुरवा थाना सिरसिया आदि स्थानों पर अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के लिए सघन चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों को चुनाव के दौरान संदिग्ध वस्तु व अनावश्यक रूप से भारी मात्रा में कैश आदि साथ में न ले चलने के लिए बताया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि वाहन चलाते समय बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने, दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट पहनने,वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन न चलाने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग करने तथा गलत दिशा में वाहन न चलाने व सड़क पर चलते समय सदैव अपने बायीं ओर चलने और 18 वर्ष के कम आयु के बच्चों को वाहन का प्रयोग न करने प्रेरित किया। इसके साथ ही पुलिस व यातायात पुलिस की ओर से चिन्हित स्थानों पर बैरियर लगाकर वाहनों व व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जा रही है।

करनैलगंज में दूसरे दिन भी अधिवक्ता आंदोलित, नारेबाजी

संवाददाता–गोण्डा। अधिवक्ताओं में राजस्व लिपिक की तरफ से दर्ज कराए गए मुकदमे को लेकर जबरदस्त रोष है। जिसको लेकर दूसरे दिन भी अधिवक्ता आंदोलित रहे। उधर, मनकापुर में भी अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहकर आक्रोश जताया।

बुधवार को अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए तहसील के सभी कार्यालयों व न्यायालय में तालाबंदी की। तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। अधिवक्ताओं ने कहा कि नजारत विभाग के लिपिक द्वारा अधिवक्ताओं पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट को वापस नहीं लिया जाता है तो तहसील में संपूर्ण तालाबंदी रहेगी और रजिस्ट्री दफ्तर भी बंद रहेगा। अधिकारियों कर्मचारियों की कार्यशाली में सुधार नहीं होता है तो आंदोलन जारी रहेगा। इस आंदोलन में बार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष गोपाल जी तिवारी, ओम प्रकाश यादव, त्रिलोकी नाथ तिवारी, प्रताप बली सिंह एडवोकेट, हृदय नारायण मिश्र, धर्मेंद्र कुमार मिश्र, उग्रसेन, नागेंद्र मिश्र सहित भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

मनकापुर में भी कार्य से विरत रहे अधिवक्तारू करनैलगंज तहसील के साथियों पर दर्ज मुकदमे के विरोध में बुधवार को मनकापुर तहसील के अधिवक्ता कामकाज से विरत रहे। वकीलों ने कहा कि तहसील कर्मियों ने अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए दो अधिवक्ताओं पर एफआईआर दर्ज कराई है। इसकी निंदा करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जेपी तिवारी व मंत्री अजय शुक्ला की अगुवाई में एसडीएम यशवंत राव को पत्र सौंपा। इस मौके पर सीके पाठक, अनिल कुमार द्विवेदी, अवधेश कुमार मिश्र, प्रवीन तिवारी, श्याम नरायन मिश्र,केदारनाथ मिश्र, पंकज पाठक, संदीप शुक्ल सहित तमाम लोग रहे।

बाइक से गिर कर महिला घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। राजपुर खुर्द गांव निवासी शिवपाला पत्नी राधेश्याम 50 बुधवार को अपने पुत्र के साथ मोटर साइकिल से गिलौला आई थी। जहां से वापस घर जाते समय गिलौला धनुही मार्ग पर मोहम्मदपुर के साथ अचानक बाइक से सड़क पर गिर गई। जिससे बुरी तरह घायल हो गई। जिन्हें एम्बुलेंस से सीएचसी गिलौला लाया गया। जहां इलाज के बाद घर भेज दिया गया।

मुस्लिम लीग के मुखपत्र की तरह है कांग्रेस का नया वर्जन, इससे शर्मनाक कुछ नही -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र कहा जाना अपने आप में हास्यास्पद है। वास्तव में यह अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जातियों के प्रति, भारत की सनातन आस्था के प्रति अन्याय पत्र है। कांग्रेस का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग के नए वर्जन के जैसा है। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग का प्रतिनिधित्व करता हो, इससे ज्यादा शर्मनाक दूसरा कुछ और नहीं हो सकता। बुधवार को अकबरपुर, फर्रुखाबाद और शाहजहांपुर लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए निकलने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी द्वारा भाजपा पर नफरत की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाए जाने के सवाल पर सीएम योगी ने तल्ख अंदाज में कहा कि सफेद झूठ बोलने की बजाय कम से कम सोनिया गांधी को तो सच बोलने की आदत डालनी चाहिए। चुनाव के दौरान अब वे लोग देश की जनता की आंखों में धूल झोंककर सत्ता नहीं हथिया पाएंगे क्योंकि मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट होकर एक भारत—श्रेष्ठ भारत के दर्शन के रहा है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी की तरफ से भाजपा पर लगाया गया झूठा आरोप श्उल्टा चोर कोतवाल को डांटेश को चरितार्थ करने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह हर व्यक्ति जानता है बांटों और राज करो की नीति कांग्रेस को विरासत में प्राप्त हुई है। अंग्रेजों की कुटिल चाल को 1947 में कांग्रेस ने सफल होने दिया और देश का बंटवारा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद राजनीतिक स्वार्थ के कारण जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर देश के अंदर वर्ग संघर्ष को कांग्रेस ने बढ़ावा दिया। आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद, यह सब कांग्रेस की ही देन है। सीएम ने सवालिया अंदाज में कहा कि यूपीए चेयरपर्सन के रूप में सोनिया गांधी ने 2004 से लेकर 2014 के बीच में क्या किया, यह कौन नहीं जानता। उस समय क्या यह सच नहीं कि ओबीसी के आरक्षण पर सेंधमारी लगाने के लिए जस्टिस रंगनाथ मिश्रा की कमेटी इन्होंने गठित की थी। और, कमेटी ने संस्तुति की थी कि ओबीसी के आरक्षण में से 6 प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों को दे दिया जाय।

भाजपा और एनडीए ने उसे समय विरोध किया था और कांग्रेस के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए। यही नहीं, एससी—एसटी के अधिकारों पर भी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने घुसपैठ करने का प्रयास किया था। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में मुसलमानों की कुछ जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने का प्रयास भी कांग्रेस सरकार के समय में हुआ था। पर, एनडीए और बीजेपी के विरोध से कांग्रेस के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए। सीएम योगी ने कहा कश्मीर में अनुच्छेद 370 कांग्रेस ने लगाई थी। ओबीसी के आरक्षण में से कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में सेंध लगाने का कार्य कांग्रेस ने किया, यह ओबीसी के अधिकारों का पूरी तरह हनन है। देश को जाति, भाषा, क्षेत्र के आधार पर बांटने की कुचेष्टा कांग्रेस ने की थी। अपने घोषणा पत्र में कांग्रेस ने जिस प्रकार की बातों का उल्लेख किया है, यह भारत की सनातन आस्था पर प्रहार तो है ही, समाज में वर्ग संघर्ष की स्थिति को पैदा करने वाला है। कांग्रेस की मंशा भारत की जनता कभी पूरा नहीं होने देगी क्योंकि विभाजनकारी राजनीति किसी के हित में नहीं है। मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर प्रहार जारी रखते हुए कहा कि आज कांग्रेस का घोषणा पत्र ही विभाजनकारी है। यह भारत को वर्ग संघर्ष की ओर ले जाने वाला है। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के अधिकारों में सेंध लगाने वाला है। पर कांग्रेस के इन मंसूबों को देश की जनता पूरा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए पूरा देश मोदी जी के नेतृत्व में कार्य करने के लिए आज एकजुट दिखाई दे रहा है। विकसित भारत के लिए पूरे देश की जनता मोदी जी के नेतृत्व में संकल्पित होकर भाजपा और एनडीए को अपना समर्थन दे रही है।इन स्थितियों में अब कांग्रेस की दाल नहीं गलने वाली है।

बैंककर्मी बोला, तबाह कर दिया महिला मित्र ने, बचा लीजिए, बेघर कर खुद लखनऊ में खरीदी जमीन

संवाददाता—गोरखपुर। एसबीआई में कैशियर पद पर कार्यरत एक कर्मचारी को महिला मित्र ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने का भय दिखाकर पहले उसका पैतृक आवास बेचवाकर उस रकम से अपने नाम पर लखनऊ में जमीन खरीदवा ली। इसके बाद करीब एक करोड़ रुपये लेकर हड़प लिए। अब महिला मित्र अपने पति के साथ मिलकर उससे और रकम की मांग कर रही है। पीड़ित कर्मचारी ने एसएसपी को प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। एसएसपी के निर्देश पर तिवारीपुर पुलिस ने आरोपी दंपती के खिलाफ रंगदारी और जानमाल की धमकी देने समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सरोज कुमार भट्टाचार्य ने पुलिस को दिए प्रार्थनापत्र में बताया है कि वर्ष 2014 में वह एसबीआई के सूरजकुंड शाखा में कैशियर के पद पर तैनात थे। बैंक में उनकी एक महिला से मुलाकात हुई। उसने जरूरत बताकर दो हजार रुपये की मांग की। उन्होंने उसे रुपये दे दिए। दूसरे दिन उसने बैंक आकर रुपये वापस कर दिए। इसके बाद वह किसी न किसी बहाने बैंक आकर मिलने लगी। एक दिन उसने अपने घर दावत पर बुलाया। इसके बाद अक्सर बहाना बनाकर उनको अपने घर पर बुलाने लगी। उसने बताया कि उसका पति देश के बाहर रहकर नौकरी करता है।

एक दिन वह लखनऊ में जमीन खरीदने का दबाव बनाने लगी। जमीन नहीं खरीदने पर वह दुष्कर्म का केस दर्ज कर फंसाने की धमकी देने लगी। उसके दबाव बनाने पर पास में रुपये नहीं होने पर उन्हें अपना पैतृक मकान 10 नवंबर 2015 को 40 लाख रुपये में बेचना पड़ा। मकान बेचकर मिली रकम से लखनऊ में महिला ने अपने नाम पर जमीन खरीदवाई। उसमें वह गवाह भी बने हैं। उस जमीन की रकम का भुगतान उसने अपने बैंक खाते से किया। इसके बाद वह फिर जरूरत बताकर रुपयों की मांग करने लगी। इसके अलावा तिवारीपुर स्थित मकान में उससे 19 लाख रुपये लेकर फर्निश में लगवा दिया। इसके साथ वर्ष 2015 से 2019 तक महीने में 15 से 20 हजार रुपये वह किसी न किसी बहाने ले लिया करती थी। मना करने पर ब्लैकमेल करने लगी। पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर महिला ने धीरे—धीरे रुपये देने की हामी भरी। इसके बाद वह पति के साथ लखनऊ जाकर शिफ्ट हो गई। रुपये के लिए दबाव बनाने पर एक दिन उसने अपने घर बुलाया। आरोप है कि पति के साथ मिलकर जबरन स्टांप पेपर पर रुपये मिलने का हस्ताक्षर करवा लिया गया।

पीड़ित ने बताया कि वह अपनी पूरी कमाई और पैतृक मकान बेचकर महिला को दे चुका है। अब वह शहर में किराये पर कमरा लेकर रहने को मजबूर है। वह उनके भय से मानसिक तनाव व डिप्रेशन में जीवन व्यतीत कर रहा है।

चुनाव बाद तेज होगी मस्जिद निर्माण की प्रक्रिया, नया नक्शा हुआ फाइनल, चंदे से बनाई जाएगी इमारत

संवाददाता—अयोध्या। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर रौनाही के धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण के लिए मिली पांच एकड़ भूमि पर निर्माण कार्य चुनाव बाद शुरू हो सकता है। ट्रस्ट का कहना है कि मस्जिद की नई डिजाइन का नक्शा तैयार हो चुका है। जून में नक्शा पास कराने के लिए विकास प्राधिकरण में ट्रस्ट की ओर से आवेदन किया जाएगा। पहले चरण में प्रस्तावित मोहम्मद बिन अब्दुल्लाह मस्जिद का निर्माण 40 हजार वर्ग फीट में होगा। अगले चरण में अस्पताल, इंजीनियरिंग कॉलेज, कम्युनिटी किचन और पुस्तकालय आदि का निर्माण कराया जाएगा। इंडो कल्चरल फाउंडेशन के सचिव अतहर हुसैन ने बताया कि नक्शा पास कराने को लेकर कुछ बिंदुओं पर आपत्ति थी, जिसका समाधान खोज लिया गया है। अब निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। शासन—प्रशासन की कोई कानूनी अड़चन नहीं है। मार्च में ट्रस्ट की बैठक अयोध्या में होनी थी, जिसके बाद मई से निर्माण शुरू करने की योजना थी। इस बीच लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से दो माह इंतजार करना पड़ा है। चुनाव समाप्त होते ही ट्रस्ट की बैठक कर निर्माण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। सचिव ने बताया कि मस्जिद निर्माण के लिए धन जुटाने की कवायद शुरू होने जा रही है। अभी ट्रस्ट ने चंदा लेना शुरू नहीं किया है। जून से विभिन्न राज्यों में इसके लिए प्रभारी की नियुक्ति की जाएगी। एचडीएफसी, आईसीआईसीआई व बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता खोला जा चुका है। विदेशी चंदा लेने के लिए फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट यानी एफसीआरए के लिए भी आवेदन किया जाएगा।

रामगोपाल के बयान पर भड़के संत और महंत, बोले—सनातन धर्म और राम विरोधी है सपा की सोच

संवाददाता—अयोध्या। अभिनव विद्यालय में मतदान करने के बाद मंगलवार को सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने विवादित बयान दे दिया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर बेकार का है। उसका नक्शा सही नहीं है। वास्तु के लिहाज से सही नहीं बना है। एक चैनल के पत्रकार से बातचीत में राममंदिर के दर्शन न करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राममंदिर सही नहीं बना है। बोले—आप पुराने मंदिर देखिए। दक्षिण के मंदिर देखिए। वे कैसे बने होते हैं। राममंदिर का नक्शा सही नहीं है। वह वास्तु के लिहाज से सही नहीं है। वहीं, उन्होंने सरकार में आने के बाद जातिगत जनगणना कराने का दावा किया। इससे पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। कहा कि भाजपा हिटलर की तरह तानाशाही की ओर जा रही है। भाजपा ने नया संविधान बना लिया है। बस उसे लागू करने के लिए ही उन्हें 400 सीटें चाहिए। उन्होंने दावा किया कि सपा प्रत्याशी डिंपल यादव पांच लाख वोट से जीतने वाली हैं।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव की ओर से राम मंदिर को लेकर दिए गए विवादित बयान पर संत—धर्माचार्यों व विहिप ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संतों ने कहा कि सपा की सोच सनातन धर्म और राम विरोधी है। ये रामभक्त कारसेवकों पर गोली चलवाने वाले लोग हैं। रामगोपाल का बयान समाज को गुमराह करने वाला है। रामगोपाल यादव ने राम मंदिर के बारे में कहा है कि 'वह मंदिर बेकार का है। मंदिर ऐसे नहीं बनते। राम मंदिर का नक्शा ठीक नहीं बना है। वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं बनाया गया है। चुनाव के बीच दिए गए रामगोपाल यादव के बयान पर विरोध बढ़ने लगा है।

आचार्य सत्येंद्र दास, मुख्य अर्चक, राममंदिर ने कहा कि कारसेवकों पर गोली चलवाने वालों को चुनाव के समय मंदिर की याद आ गई है। राम गोपाल यादव पहले अयोध्या आकर राममंदिर के दर्शन करें फिर पता चलेगा कि राममंदिर कितना भव्य है। रामगोपाल अज्ञानी हैं, जिन्हें ठीक से राजनीति करने नहीं आती वे वास्तु व शास्त्र को गलत ठहरा रहे हैं। राममंदिर शास्त्र व वास्तु की दृष्टि से सर्वोत्तम है।

महंत कमलनयन दास, ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से सनातन विरोधी है। ये वो लोग हैं जिन्होंने रामभक्तों पर गोलियां बरसाईं थीं। ये शुरू से राममंदिर निर्माण का विरोध करते रहे हैं। रामगोपाल यादव का लोकसभा चुनाव के बीच दिया गया बयान उनके मानसिक दिवालियापन का परिचायक है। साथ ही सनातन धर्म व श्रीराम के प्रति उनकी सोच कैसी है यह भी दर्शा रहा है। महंत भरतदास ने कहा कि रामगोपाल यादव नेतागिरी करें, वास्तु व शास्त्र पर बात न करें। असल में जो सनातन विरोधी हैं, उन्हें राममंदिर हमेशा से खलता रहा है। रामगोपाल यादव का बयान लोक भावना को आहत करने वाला है। रामगोपाल यादव के बयान से समाजवादी पार्टी की मंशा सामने आ गई है। सनातन विरोधी सोच के लोग व पार्टी समाज के लिए कलंक हैं।

शरद शर्मा ने कहा कि रामगोपाल के परिवार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। असल में जो रोजा इफ्तार कराते रहे हैं, उन्हें लाखों भक्तों की आस्था के केंद्र राममंदिर के वास्तु व नक्शे में कमी नजर आ रही है। इनकी आंख में मोतियाबिंद हो चुका है। चुनाव के समय दिया गया बयान समाज को गुमराह करने वाला है। ऐसे लोगों को कूड़ेदान में फेंक देना चाहिए।

घूस लेते हेड मोहर्रिर का वीडियो वायरल, निलंबित

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा थाने पर तैनात हेड मोहर्रिर का घूस लेते वीडियो वायरल हुआ था। एसएसपी ने वायरल वीडियो की जांच सीओ गोरखनाथ से कराई। जांच में घूस लेने की पुष्टि होने के बाद एसएसपी ने आरोपी हेड मोहर्रिर को बुधवार को निलंबित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, 20 दिन पहले क्षेत्र के एक डीजे संचालक की पिकअप आरटीओ ने पकड़कर सीज कर गुलरिहा पुलिस को सौंप दी थी। पिकअप गाड़ी गुलरिहा थाने पर खड़ी थी।

कोर्ट से डीजे संचालक गाड़ी रिलीज का आदेश लेकर थाने पहुंचा तो हेड मुहर्रिर ने गाड़ी रिलीज करने के नाम पर 500 रुपए की मांग की। हेड मोहर्रिर का 500 रुपये लेने का वीडियो बनाकर किसी ने वायरल कर दिया। मामला एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर तक पहुंचा। उन्होंने मामले की जांच सीओ गोरखनाथ योगेंद्र सिंह को सौंपा। सीओ गोरखनाथ ने अपनी जांच रिपोर्ट एसएसपी को सौंप दिया। रिपोर्ट में घूस लेने की पुष्टि होने के बाद एसएसपी ने आरोपी को निलंबित कर दिया। एसएसपी ने कहा कि सीओ गोरखनाथ की जांच के बाद आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है।

प्रेम प्रसंग में खंभे पर चढ़े युवक ने दी जान देने की धमकी, नीचे उतारने के लिए लड़की को बुलाया

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। प्रेम प्रसंग में अहिरौली थाने लाया गया आरोपी युवक पुलिस टीम को चकमा देकर बुधवार सुबह भाग निकला। इसके बाद वह एक हाईटेंशन बिजली के खंभे पर चढ़ गया और कूद कर जान देने की धमकी देने लगा। अहिरौली क्षेत्र के यादवनगर निवासी युवक को पुलिसकर्मियों ने मंगलवार रात शिकायत के बाद थाने पर बैठा लिया था। आज सुबह वह शौच के बहाने भाग निकला। इसके बाद दरवन के पास हाईटेंशन तार वाले खंभे पर चढ़ गया। अहिरौली पुलिस टीम के अलावा सीओ और एसडीएम भी मौके पर पहुंचे हैं। प्रेम प्रसंग से जुड़ी युवती और उसके पिता को भी मौके पर ले जाया गया है फिलहाल युवक नीचे उतरने को तैयार नहीं है। वह पुलिसकर्मियों पर अनायास उत्पीड़न का आरोप लगा रहा है।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 44/2024

1. घिसियावन उम्र करीब 69 वर्ष 2. बलदेव उम्र करीब 54 वर्ष पुत्रगण जंजाली 3. शिव कुमार उम्र करीब 22 वर्ष 4. धर्मेन्द्र उम्र करीब 21 वर्ष पुत्रगण तल्देव यादव साकिनान मौजा रेहराकला तप्पा देवाइचपार परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

—प्रार्थी/आवेदक
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 01—07—2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 07 के 01 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 43/2024

1. शोभा देवी उम्र लगभग 48 वर्ष पत्नी स्व0 गजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव उर्फ गजेन्द्र लाल 2. दीपाकर श्रीवास्तव उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्र स्व0 गजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव उर्फ गजेन्द्र लाल 3. शिव शंकर श्रीवास्तव उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र स्व0 गजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव उर्फ गजेन्द्र लाल 4. वैष्णवी उर्फ रानी कुमार उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्री स्व0 गजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव उर्फ गजेन्द्र लाल 5. आशुतोष उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र स्व0 गजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव उर्फ गजेन्द्र लाल निवासीगण मोहल्ला पश्चिम गोला पुरानी नौगढ़ नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

—प्रार्थी/आवेदक
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 03—07—2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 07 के 03 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

निगरानी वाद सं0 549

धारा 144 उ0प्र0रा0स0 2006

अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला—बस्ती

संतराम आदि
बनाम
चुनमुन आदि

1.चुनमुन पुत्र ज्ञानदास 2. बब्बन पुत्र ज्ञानदास 3. प्रभू पुत्र ज्ञानदास 4. लम्बू पुत्र ज्ञानदास 5. हीरा पुत्र राम प्रसाद ग्राम गंगापुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती 6. ग्राम प्रधान जरिये प्रधान ग्रामसभा गंगापुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती 7. कुमारी 8. शिव कुमारी 9. परमपत्तियां पुत्रीगण शंकर 10. संतरा देवी पुत्री रामलौट ग्राम गंगापुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती 11. उत्तर प्रदेश सरकार जरिये कलेक्टर महोदय बस्ती जिला बस्ती

तारीख पेशी 23—05—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी वाद सं0 549

अदालत— श्रीमान उप संचालक चकबन्दी बस्ती जिला—बस्ती

हंसराज
बनाम
वीरेन्द्र आदि

1. वीरेन्द्र प्रसाद पुत्र लालता 2. शोभा देवी पत्नी हरिश्चन्द्र साकिन परहली बुजुर्ग तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 22—05—2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

इजरा वाद सं0 1/2023

अगरदी
बनाम
मानिकराम

1. मानिकराम (मृतक) पुत्र सरजू 1/1 राम कुशल (मृतक) पुत्र मानिकराम 1/2/1 हीरालाल उम्र 30 वर्ष 1/2/2 जवाहिर उम्र 22 वर्ष पुत्रगण रामकुशल 3. सहादुर उम्र 50 वर्ष पुत्र मानिकराम 4. बहादुर (मृतक) पुत्र मानिकराम 4/1 प्रेम कुमार उम्र करीब 28 साल 4/2 दिलीप कुमार उम्र करीब 20 साल पुत्रगण मानिकराम 5. रामकिशुन उम्र 38 वर्ष पुत्र मानिकराम साकिनान मौजा कुर्दा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 15—07—2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 07 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

M.A.C.P.N0 198/2022

अदालत—श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला—बस्ती

शोभा देवी
बनाम
बजरंगी प्रसाद आदि

1. बजरंगी प्रसाद मिश्रा पुत्र केसरी प्रसाद मिश्र निवासी अमानीगंज कालोनी कोतवाली नगर अयोध्या जिला अयोध्या उ0प्र0 पिन कोड 224001 (वाहन स्वामी ट्रक यू0पी0 42 टी0 1616) 2. नानबच्चा पुत्र जय जयराम निवासी नहर बाबागंज बलरामपुर पिन कोड—201201 (वाहन चालक ट्रक यू0पी0 42 टी0 1616)

तारीख पेशी 15—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

M.A.C.P.N0 186/2022

अदालत—श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला—बस्ती

मां वैष्णी ट्रेडर्स
बनाम
प्रेम प्रकाश दूबे

1. अभय कुमार उम्र 38 वर्ष पुत्र रामसूरत चौधरी चमरौहा सियरापार थाना कोतवाली जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com